वैदिक उपासना पीठद्वारा प्रकाशित

मंगलवार,पौष कृष्ण पक्ष,सप्तमी, कलियुग वर्ष ५१२२ (५ जनवरी, २०२१)

वैदिक उपासना

राष्ट्र एवं धर्मके पुनरूत्थान हेतु समर्पित ऑनलाईन दैनिक वृत्त पत्र

धर्माचरण हेतु कष्ट उठाना, राष्ट्र हेतु समय देना एवं साधना हेतु त्याग करना, यह सनातन उपासना है।

e-mail : upasanawsp@gmail.com, website : www.vedicupasanapeeth.org.

कलका पंचांग

जयतु जयतु हिन्दुराष्ट्रं

६ जनवरी २०२१ का वैदिक पंचांग

कलियुग वर्ष – ५१२२ / विक्रम संवत – २०७७ / शकवर्ष - १९४२.....कलके पंचांगके सम्बन्धमें और जानकारी हेतु इस लिंकपर जाएं.....https://vedicupasanapeeth.org/hn/kal-ka-panchang-06012021

देव स्तुति

सर्वाज्ञाननिहन्तारं सर्वज्ञानकरं शुचिम्।
सत्यज्ञानमयं सत्यं मयूरेशं नमाम्यहम्॥

अर्थ : जो समस्त वस्तुविषयक अज्ञानके निवारक, सम्पूर्ण ज्ञानके उद्भावक, पवित्र, सत्य-ज्ञानस्वरूप तथा सत्यनामधारी हैं, उन मयूरेश गणेशको मैं प्रणाम करता हूं।

शास्त्रवचन

कृष्णः शरच्चन्द्रमसं कौमुदीं कुमुदाकरम् ।
जगौ गोपीजनस्त्वेकं कृष्णनाम पुनः पुनः ॥

अर्थ : विष्णुपुराणके अनुसार नाम महिमा : रासके समय श्रीकृष्ण, शरत्कालीन चन्द्रमा, उसकी ज्योत्स्ना (चांदनी) और कुमुद-समूहका गुणगान करने लगे; परन्तु गोपियोंने तो बारम्बार केवल एक श्रीकृष्ण-नामका ही गान किया ।

****

श्रीकृष्णनामामृतमात्महृद्यं
प्रेम्णा समास्वादनभंगिपूर्वम् ।
यत्सेव्यते जिह्विकयाविरामं
तस्यातुलं जल्पतु को महत्त्वम् ॥

अर्थ : अपने मनको अत्यन्त प्रिय लगनेवाले श्रीकृष्णनामामृतका प्रेमसे रसास्वादनकी चेष्टाके साथ जो जिह्वाद्वारा अविराम सेवन किया जाता है, उसकी अनुपम महत्ताका कौन वर्णन कर सकता है ?

धर्मधारा

१. नामजपकी परिणामकारकताको कैसे बढाएं ? (भाग-८)

नामजपको परिणामकारक बनाने हेतु हम इन दिनों कुछ प्रार्थनाओंके विषयमें जानकारी प्राप्त कर रहे हैं । इसी क्रममें साधक नामजप करनेसे पूर्व निम्नलिखित प्रार्थना भी कर सकते हैं :-

"हे प्रभु (अपने आराध्यका नाम भी ले सकते हैं), मैं यह नामजप करने जा रहा हूं, आप ही मुझसे यह नामजप करवाकर ले लें, यह जप मैं भावपूर्ण एवं एकाग्रतासे पूर्ण कर

पाऊं, ऐसी आप कृपा करें !" यदि नामजप एकाग्रतापूर्वक नहीं हो पाता हो तो यह प्रार्थना प्रत्येक पांच मिनिट पश्चात भी की जा सकती है।

****

२. गुण ही व्यक्तिको श्रेष्ठ बनाते हैं

ज्येष्ठत्वं जन्मना नैव गुणैर्ज्येष्ठत्वमुच्यते।
गुणात् गुरुत्वमायाति दुग्धं दधि घृतं क्रमात् ॥

अर्थात जन्मसे श्रेष्ठता नहीं आती है, सद्गुणोंको आत्मसात करनेसे आती है। गुणोंमें बढोतरीके कारण श्रेष्ठतामें उत्तरोत्तर प्रभाव वैसे ही बढता है, जैसे दुग्धसे दही और दहीसे मक्खन और मक्खनसे घीमें अधिक गुण होते हैं।

हमारे यहांकी वर्ण व्यवस्था जन्म आधारित नहीं; अपितु गुण-कर्म आधारित थी और एक ही जन्ममें अपने दोषोंका निराकरण एवं गुणोंका संवर्धनकर, साधनारत होकर, कोई भी व्यक्ति उत्तरोतर वर्णमें प्रगति कर सकता था, यह शास्त्रवचन इस तथ्यकी पुष्टि करता है; इसीलिए उपनिषदके कुछ भाष्यकार जो जन्म ब्राह्मण नहीं थे, वे भी साधनाकर ब्राह्मण वर्णको (कर्म ब्राह्मण) प्राप्त हुए। क्या इतनी सुन्दर व्यवस्था अन्य किसी धर्म और पन्थमें है ? तब भी मूढ हिन्दू जात-पातको लेकर परस्पर लडते रहते हैं !

****

३. आज कलाके प्रत्येक क्षेत्रने ले लिया है वीभत्सतम स्वरूप

आजकल सामान्यजनको हंसानेके लिए कुछ हंसोड धारावाहिक आरम्भ किए गए हैं; परन्तु वहांपर हंसानेके लिए निम्नलिखित कुकृत्य होते हैं -

अ. भद्दे दो अर्थवाले संवादोंका उपयोग किया जाता है, जिसे

कोई स्त्री जिसमें संस्कार हो वह आप अपने पिता या भाईके साथ बैठकर नहीं सुन सकती है !

आ. जो भी व्यक्ति वहां निर्णायकके रूपमें या अतिथिके रूपमें बैठा होता है, उसपर तीक्ष्ण व्यंग्यकर उसे उपहासका पात्र बनाया जाता है, जिससे कई बार उसे मानसिक सन्ताप पहुंचता है; परन्तु विरोध करना तो आजका समाज भूल ही गया है; अतः सब सभी अनैतिक बातोंपर मूक-बधिर समान उसका अनुमोदन करते हैं और इसकारण सामजको यह करने हेतु प्रोत्साहन मिलता है।

इ. देवी देवता, सन्त, गुरु, राष्ट्रपुरुष, यहांतक कि जन्मदाता माता-पितातकको ये निर्लज्ज कलाकार या पटकथा लेखक नहीं छोडते हैं, ऐसे सभी पूज्य कहे जानेवाले आस्था स्थानोंपर अशोभनीय टीकाकर सभीको हंसानेका ओछा प्रयासकर वे समाजमें प्रसिद्धि पाकर समाजके तथाकथित आदर्श बन जाते हैं।

आपको क्या लगता ऐसे लोग कलाके पूजारी होते हैं ? नहीं ! ये तो कलाका अपमान करते हैं और ऐसे लोग समाजमें नैतिकताके पतनके लिए उत्तरदायी होते हैं । ईश्वर ऐसे कलाकार और कलाके नामपर उच्छृंखलता फैलानेवालोंको दण्ड देते हैं। कलासे ईश्वरकी उपासना की जाती है। उससे समाजको दिशा दी जाती है, दिशाहीन नहीं किया जाता ! यह आज कलाकारोंको बतानेका समय आ गया है। ध्यान रहे ! कला प्रथमतः ईश्वरप्राप्तिका एक माध्यम है; इसलिए इसे योगमार्गके रूपमें वैदिक सनातन धर्ममें मान्यता प्राप्त है और मनोरंजन मात्र उसका एक भाग है; परन्तु आज मनोरंजनके नामपर कलाके प्रत्येक क्षेत्रने अपना वीभत्सतम स्वरूप ले लिया है। **– (पू.) तनुजा ठाकुर, सम्पादक**

प्रेरक प्रसङ्ग

एकतामें बल है

जगंलमें एक कौआ जलकी खोजमें भटक रहा था । बहुत ढूंढनेके पश्चात उसे एक घडा दिखाई दिया, जिसके भीतर थोडासा जल था । कौएने युक्ति लगाई और उसमें कंकर डालना आरम्भ कर दिया। धीरे-धीरे जल ऊपर आ गया और जलसे अपनी प्यास बुझाकर वह उड गया।

उसके अगले दिवस, कौएके समक्ष पुन: वही समस्या आ खडी हुई; परन्तु इस बार घडेमें थोडा भी जल नहीं था । अब कौआ व्यग्र हो गया । उसे यहां-वहां बहुत शोध करनेके पश्चात एक पहाडीके पीछे एक झरना बहता दिखाई दिया; परन्तु उस झरनेका जल एक गहरी खाईमें नीचे वेगसे गिर रहा था। जलके पास जानेका अर्थ मृत्युको आमन्त्रित करना था। यदि कौआ नहीं जाता तो तृष्णासे (प्याससे) मारा जाता । कौआ एक पत्थरपर बैठ गया और बहुत देरतक सोचता रहा। तभी उसकी दृष्टि झरनेसे पृथक होती लहरपर पडी, जो एक बडेसे पत्थरसे टकराती और समतलमें खडे पेडोंकी जडोको छूकर, पुन: उसका जल खाईमें गिर जाता। उसने घडेवाली रणनीति अपनाई और एक-एक कंकर लाकर उस जलको रोकनेका प्रयास करने लगा; परन्तु जबतक वह दूसरा कंकर लाता, तबतक पहला वाला बह जाता ! उसके बार-बार प्रयत्न करनेके पश्चात भी उसे सफलता नहीं मिली।

वह थककर पुनः सोचने लगा। कुछ समय पश्चात उसने 'प्यासे' ही वनमें उडान भरी और कई सारें कौओंको अपनी इस व्यथाके बारेमें बताया। सभी कौओंने उसकी बात सुनी। कुछ कौए, उसकी बातसे सहमत नहीं हुए और उसका उपहास

उडाने लगे; परन्तु कुछ कौओंने उसपर विश्वास किया और उसके साथ चल दिए।

अब उन कौओंका एक समूह बन चुका था जो, उसके बताए अनुसार कार्य कर रहा था। अब वे एक साथ अनेक कंकर डालते, जिससे उन उनका भार जलसे अधिक हो जाता और वे कंकर वहां रूक जाते। धीरे-धीरे बहुत सारे कंकर वहां एकत्रित हो गए और देखते ही देखते वहां भीत (दीवार) खडी हो गई। अब, जब भी वह छोटीसी लहर उस पेडसे टकराती तब कुछ जल उस भीतमें एकत्रित हो जाता।

कौए और उसके समूहका परिश्रम सार्थक हुआ। अब वे सदैव जल पी सकते थे।

जिन कौओंने उस कौएका साथ नहीं दिया था, अब वे अपने व्यवहारपर पश्चाताप रहे थे।

घरका वैद्य

मूंगफली (भाग-३)

५. शीत प्रकोपके लिए लाभकारी : मूंगफली ठण्ड और 'जुकाम'के लिए बहुत लाभदायक है। यदि आप शीतकालके वातावरणमें मूंगफली खाएंगे तो आपका शरीर 'गर्म' रहेगा। यह खांसीमें उपयोगी है व फेफडोंको सशक्त करती है। मूंगफली खानेके पश्चात शीघ्र जल नहीं पीना चाहिए।

६. 'कोलेस्ट्रॉल'के लिए लाभदायक : मूंगफलीमें 'मोनो-अनसैचुरेटेड फैटी-एसिड' पाया जाता है। जो हानिकारक 'कोलेस्ट्रॉल'को कम करके गुणयुक्त 'कोलेस्ट्रॉल'को बढाता है। मूंगफली 'कोलेस्ट्रॉल'की मात्राको नियन्त्रित करनेमें मूंगफलीकी भूमिका भी विशेष है। इससे 'कोलेस्ट्रॉल'की मात्रामें ५ प्रतिशततक न्यूनता आती है। इसके अतिरिक्त कम घनत्ववाले

'लिपोप्रोटीन-कोलेस्ट्रॉल'की (एलडीएलसीकी) मात्रा भी ७% तक न्यून हो सकती है।

७. बालोंके लिए उपयोगी : मूंगफलीमें कई ऐसे पोषक तत्त्व होते हैं, जो बालोंको स्वस्थ बनाए रखनेके लिए लाभदायक होते हैं । इसमें 'ओमेगा-3 फैटी-एसिड'का अधिक स्तर समिलित है जोकि बालोंकी जडोंको सबल और बालोंके विकासको बढावा देनेके लिए सहायता करता है।

८. गंजेपनके लिए लाभकारी : मूंगफली 'एल-आर्जिनाइन'का बहुत अच्छा स्रोत है। यह एक 'अमीनो एसिड' है जो पुरुषोंमें गंजेपनकी चिकित्साके लिए बहुत उपयोगी है और स्वस्थ बालोंके विकासको प्रोत्साहित करता है।

उत्तिष्ठ कौन्तेय

धर्मान्धोंने देवप्रकाश बन चुके मोहम्मद अनवरको, मन्दिर बनानेके कारण उनके ३ बच्चोंके साथ जीवित जलानेका प्रयास किया

हिन्दू समुदायके लोगोंद्वारा की गई सहायता और सनातन सिद्धान्तोंसे प्रभावित होकर उत्तर प्रदेशके रायबरेलीके निवासी मोहम्मद अनवरने इस्लाम त्यागा था और सनातन धर्म पालन करनेका निर्णय लिया और वे अपने घरके पास मन्दिर बनवाने जा रहे थे, जिसकारण धर्मान्ध क्रोधित थे और उन्होंने शनिवार २ जनवरी, २०२१ की रात देव प्रकाशके घर में आग लगा दी थी जिससे उनके तीन बच्चे जलकर मर सकते थे।

भारत समेत सम्पूर्ण विश्वमें जिहादियोंका एक ही लक्ष्य है कि अपने धर्मसे किसीको जाने मत दो और दूसरे

धर्मके लोगोंको मतान्तरित करो । अपने उद्देश्यमें असफल धर्मान्धोंने यह अपराध किया है; अत: प्रशासनको चाहिए कि दोषियोंके विरुद्ध हत्याके प्रयासके अभियोगमें प्रकरण प्रविष्ट कर उन धर्मान्धोंको कठोर दण्ड दिलवाए ! (०४.०१.२०२१)

****

बंगालमें एक निर्माणाधीन भवनमें 'स्पेशल टास्क फोर्स'ने हस्तगत किए २२ 'क्रूड बम'

कोलकाताकी 'स्पेशल टास्क फोर्स' (एसटीएफ) व स्थानीय पुलिसकी संयुक्त कार्यवाही स्वरूप एक सूचनापर कार्यवाही करते हुए शनिवार २ जनवरीको एंटली पुलिस थाना क्षेत्रसे अनेक बम प्राप्त किए गए हैं । अब 'बीडीएस' व 'डीडी'के मार्गदर्शन में बमोंको एक सुरक्षित स्थानपर रखा गया है । समाचार 'एजेंसी' 'एएनआई'के अनुसार 'स्पेशल टास्क फोर्स'ने कोलकाता पुलिसके साथ मिलकर एक संयुक्त अभियानके अन्तर्गत इस क्षेत्रसे बमोंको प्राप्त किया है । प्रकरणकी जांच अभी चल रही है । यह 'क्रूड' प्रकारके बम दो 'बक्सों'में मिले जो भवनके एक कक्षमें रखे हुए थे । उल्लेखनीय है कि यह भवन पूर्वसे ही गुप्तचर विभागकी दृष्टिपर था । अब संयुक्त कार्यवाही स्वरूप पुलिस प्रकरणकी जांचमें संलग्न है ।

समाचार बंगालकी भूमिपर आनेवाले चुनावोंमें किस प्रकारका उपद्रव मचेगा इसकी पूर्व सूचना दे रहा है । अब केन्द्र शासनको बिना किसी विलम्बके त्वरित विशेष जांच समिति गठितकर उचित कार्यवाही करनी चाहिए ।

१४९ हिन्दुओंकी हत्या, २६२३बका इस्लामी धर्मान्तरण, ३७० प्रतिमाएं खण्डित : जिसे भारतने मुक्त कराया, वहां है हिन्दुओंकी ऐसी स्थिति

बांग्लादेशमें २०२० में विभिन्न प्रकरणोंमें कमसे कम १४९ हिन्दुओंकी हत्या कर दी गई । इतना ही नहीं, १४९ की हत्याके अतिरिक्त ७०३६ हिन्दू घायल भी हुए। 'जटिया हिन्दू महाजोत' सङ्गठनने ये आंकडे दिए हैं। साथ ही ये भी बताया गया है कि ये आंकडे गत वर्षकी तुलनामें कहीं अधिक हैं। सङ्गठनने बुधवार ३० दिसम्बर २०२० को 'प्रेस कॉन्फ्रेंस'करके ये जानकारी दी और देशमें हिन्दुओंकी सुरक्षाका प्रकरण उठाया।

२०१९ में ये अंक ३१,५०५ था । बता दें कि बांग्लादेशसे हिन्दुओंके अपहरण, बलपूर्वक धर्मान्तरण, हिन्दू महिलाओंके बलात्कार, मन्दिरोंपर आक्रमण, प्रतिमाओंको तोडनेके प्रकरण आए दिन होते रहते हैं और अन्तरराष्ट्रीय मीडिया भी अल्पसंख्यकोंके विरुद्ध हो रहे इस अत्याचारपर मुखर नहीं रहता। 'वर्ल्ड हिन्दू फेडरेशन बांग्लादेश चैप्टर'द्वारा जारी सूचीके अनुसार, अकेले मई २०२० में ही हिन्दुओंके १० मन्दिरोंको तोड दिया गया था।

जिहादी धर्मान्धोंद्वारा हिन्दुओंपर हो रहे ये अत्याचार रुक नहीं रहे; क्योंकि कोई हिन्दू इसे अधिक गम्भीरतासे नहीं ले रहे हैं। जबतक इन प्रकरणोंपर अधिक गम्भीर होकर कार्य नहीं किया जाएगा, तबतक ये जिहादी म्लेच्छ ऐसे कुकर्म करना बन्द नहीं करेंगें।

महिलाओंने कपडे फाडे, छतोंसे बरसाए पत्थर: रेहानको पकडने पहुंची 'यूपी' पुलिसपर प्राणघातक आक्रमण

कानपुरके 'हिस्ट्रीशीटर' रेहान उपाख्य गुड्डूको पकडने गई बेकनगंज पुलिस 'टीम'पर आरोपितोंके साथियोंने पथराव कर दिया। यहांतक कि पुलिससे वहांके रहवासी लोग भी भिड गए। किसी प्रकार बेकनगंज थानेके पुलिसकर्मी वहांसे प्राण बचाकर भाग निकले। बता दें कि रेहान डी ८० 'गैंग'का मुखिया है।

घटना कानपुरके कर्नलगंज क्षेत्रके गम्मू खांके 'अहाते'की है। यहां अपराधीको पकडने पहुंची पुलिससे लोग भिड गए। वहीं महिलाओंने कपडे फाडकर उपद्रव किया। अराजक तत्त्वोंने छतोंसे पुलिसदलपर पथराव कर दिया। घटनाकी जानकारीपर कई थानोंकी 'फोर्स' घटनास्थलपर पहुंची; किन्तु तबतक अपराधी' अपने भाइयोंके साथ भाग चुका था।

ऐसे अनेक कुख्यात अपराधी अभी भी पुलिसकी पकडसे बाहर हैं, ये अपराधी कुछ तो राजनेताओंके संरक्षणमें हैं। इन अपराधियोंके ऊपर अवैध सम्पत्ति, चोरी, लूट, बलात्कार,सामाजिक विद्रोह कार्योंमें सहयोग व हत्या आदिके आरोप लगे हैं। योगीजीके नेतृत्वमें 'यूपी' शासन अच्छा कार्य कर रहा है और ऐसे अपराधियोंको पकडकर दण्ड दे रहा है। विचार कीजिए कि उत्तर प्रदेशमें योगीजीके मुख्यमन्त्री होते भी यदि धर्मान्धोंमें इतना दुस्साहस है तो ये उनके लिए राजनीतिक स्थिति अनुकूल होनेपर क्या करेंगे ?

चांदनी चौकके हनुमान मन्दिर विध्वंसका उत्तरदायी कौन ? बीजेपीने कहा : 'आप' शासनने नहीं किए बचानेके प्रयास

देहलीके चांदनी चौक स्थित हनुमान मन्दिरको तोडनेको लेकर देहलीमें विवाद उत्पन्न हो गया है । मन्दिरको देहली शासनके चांदनी चौक पुनर्विकास योजनाके अन्तर्गत ध्वस्त किया गया; परन्तु यह कार्य 'एनडीएमसी'के अधीन हो रहा जिसपर भाजपाका नियन्त्रण है । अब देहलीके हिन्दूद्रोही 'आम आदमी पार्टी' शासनपर बीजेपी मन्दिर नहीं बचानेका आरोप लगा रही है ।

न्यायालयने २०१५ में उत्तरी देहली नगर निगमको अतिक्रमण हटानेका निर्देश दिया था, जिसमें चांदनी चौक पुनर्विकास परियोजनाकी प्रगतिको रोकनेवाले मन्दिर भी सम्मिलित थे । इसके उपरान्त नवंबर २०२० में देहली उच्च न्यायालयने मनोकामना सिद्ध श्रीहनुमान सेवा समितिकी याचिकापर यह कहते हुए विचार करनेसे मना कर दिया कि हस्तक्षेप करनेका अनुरोध 'आप' शासनकी ओरसे ही आना चाहिए । न्यायालयके आदेशके उपरान्त भी भाजपा और आप, दोनों ही राजनीति करते रहे और मन्दिरको ध्वस्त कर दिया गया !

देहलीका सत्तारूढ दल मुस्लिम तुष्टीकरणकी राजनीतिके लिए कुख्यात है; इसलिए वह देवालयको बचानेके प्रयास करेगा, यह सोचना ही व्यर्थ है; परन्तु भाजपाके नियन्त्रणमें नगरपालिका आती है और उसके होते भी देवालय ध्वस्त हो गया, यह अक्षम्य अपराध है ।

यदि आज भारत हिन्दू राष्ट्र होता तो ऐसा कदापि

नही होता; इसलिए आजसे ही सभी धर्मनिष्ठ हिन्दुओंको, किसी भी राजनीतिक दलपर निर्भर नहीं रहकर, स्वयंके प्रयासोंसे हिन्दू राष्ट्रका निर्माण हो, ऐसे प्रयास करने चाहिए। (०४.०१.२०२१)

****

घरके बाहर खेल रही ५ वर्षीय बालिकाको खेतमें ले गया महबूब मंसूरी; मुखमें वस्त्र ठूसकर किया बलात्कार

भागलपुरके शाहकुण्ड थाना क्षेत्रमें एक ५ वर्षीय बालिकासे बलात्कारकी घटना घटित हुई है । शुक्रवार १ जनवरी २०२१ को सन्ध्याकाल एक ५ वर्षीय बालिका अपने घरके निकटकी गलीमें अन्य बच्चोंके संग खेल रही थी। उसी गांवका निवासी महबूब मंसूरी उसे बहलाकर निकटके खेतमें ले गया। उसके पुकारनेकी ध्वनि अन्य व्यक्तियोंतक न पहुंचे, यह सोचकर उसने बालिकाके मुखमें वस्त्र ठूंस दिया तथा उसके साथ दुष्कर्म किया।

पीडिताकी मांने महबूब मंसूरीके विरुद्ध प्राथमिकी प्रविष्ट करवाई है। अन्धेरा घिर आनेपर जब बेटी घर नहीं पहुंची, तो उसकी मांने बालिकाको ढूंढना प्रारम्भ किया । उन्होंने उसे आरोपीके संग ही घटना स्थलपर देख लिया। आरोपी उन्हें देखकर भाग गया । बालिकाको गम्भीर स्थितिमें परिजन शाहकुण्ड चिकित्सालय लेकर गए; परन्तु उसकी गम्भीर स्थिति देख वहांके चिकित्सकोंने उसे उचित चिकित्सा हेतु अन्य चिकित्सालय 'जेएलएनएमसीएच'में 'रेफर' कर दिया । शाहकुण्ड थानाध्यक्ष विश्व बन्धु कुमारने बताया कि पुलिस मो. महबूब मंसूरीको ढूंढ रही है तथा उसे बन्दी बनाने हेतु छापेमारी कर रही है।

बलात्कारोंकी घटनाएं नितप्रतिदिन घटित हो रही हैं। अधिकतर घटनाओंमें आरोपी समुदाय विशेषके दृष्टिगत हो रहे हैं। ऐसे घृणित अपराध रोकने हेतु कुछ प्रदेशोंमें फांसीतकके प्रावधान राज्य शासनोंने कर रखे हैं; परन्तु ऐसे कठोर विधान देशमें सर्वत्र ही हों, जिससे कि अपराधियोंमें भय व्याप्त हो। (०४.०१.२०२१)

****

मुस्लिमोंका पिता नहीं जिहादी बाबर, पापी औरंगजेब 'चाचा' नहीं : औरंगाबादको 'संभाजी नगर' करनेपर शिवसेना-कांग्रेस

औरंगाबादका नाम परिवर्तितकर 'संभाजी नगर' करनेकी मांग उस समय भी की गई थी, जब शिवसेना भाजपाके साथ गठबन्धन शासनका भाग थी; परन्तु तब कांग्रेसके प्रदेश अध्यक्ष और महाराष्ट्रके 'कैबिनेट' मन्त्री बालासाहेब थोराटने इस मांगका विरोध किया था; किन्तु जनसामान्यने इस मांगका स्वागत किया था। शिवसेनाने तब कहा था कि यह उसी भांति किया जा सकता था, जैसे देहलीमें औरंगजेब रोड और उतरप्रदेशमें इलाहाबादका नाम परिवर्तित किया गया।

'सामना'के इस लेखके अनुसार, "जिहादी बाबर भारतके मुस्लिमोंका पिता नहीं है, जिस प्रकार पापी औरंगजेब यहांके मुस्लिमोंका 'चाचा' नहीं है। यदि किसीको लगता है कि औरंगजेबका कब्रिस्तान धर्मनिरपेक्षताका प्रतीक है, तो वह हिन्दू भारतकी अस्मिताका उपहास कर रहा है।"

वरिष्ठ कांग्रेसी नेता बाला साहेब थोरातने इस प्रकरणमें कहा, "महा अघाडी शासनका गठन एक 'कॉमन मिनिमम

प्रोग्राम'के आधारपर हुआ है । हमारे सभी निर्णय इसी 'प्रोग्राम'के आधारपर होने चाहिए । औरंगाबादका नाम परिवर्तनका प्रस्ताव अघाडी दलके पास आता है तो हम उसका विरोध भी करेंगे। महाराष्ट्र शासनका कोई भी निर्णय महा विकास अघाडीके 'कॉमन मिनिमम प्रोग्राम'से हटकर नहीं होगा।"

प्रतीत होता है कि शिवसेनाको 'शवसेना' बननेसे पूर्व ही आभास हो गया है कि बिना हिन्दुत्वके आधारके उसका अस्तित्व समाप्त हो जाएगा ! यदि ऐसा है तो सभीको शिवसेनाकी इस मांगका समर्थन करना चाहिए।

****

किसान आन्दोलनमें विदेशी अवैध धनके वितरणपर दिलजीत सिहकी जांच आरम्भ, पाया गया खालस्तानियोंसे सम्पर्क

आयकर विभागने अभिनेता दिलजीत सिंहपर अवैध धनकी जांच आरम्भ कर दी है । भारतमें किसान विरोधी प्रदर्शनमें दिलजीत सिंह सांझके सांझ 'फाउंडेशन'पर धनके वितरणका आरोप है। दिलजीतने इस आन्दोलनमें एक करोड रुपये दानद्वारा विदेशी अवैध धनका वितरण किया । कुछ समय पूर्व इसी सांझ 'फाउन्डेशन'के पतेपर, पूर्व उपमुख्यमन्त्री सुखबीर सिंह बादलके विरुद्ध मानहानिका प्रकरण प्रविष्ट किया गया था। परिवादकर्ताके अधिवक्ताने न्यायालयमें कहा था कि बादलने अपने पतेको छुपानेके प्रयासमें दिलजीतके सांझ 'फाउन्डेशन'का पता दिया था।

दिलजीतसे सम्बन्धित संस्था 'म्यूजिक स्पीड रिकार्ड'पर भी आयकरके विभागने जांच आरम्भ कर दी है ।

ज्ञातव्य है कि दिलजीत सांझने कथित किसान आन्दोलनके सन्दर्भमें अनेक 'ट्वीट्स' किए थे जबकि वे स्वयं किसान नहीं हैं।

भारतमें देशविरोधी तत्त्वोंका पोषण करनेवाली ये संस्थाएं, एक खालस्तानियोंके घातक सङ्गठनका अङ्ग हैं। ब्रिटेनमें 'स्पीड रिकार्ड' नामक 'कम्पनी'के निदेशक दिनेश औलुकने ऐसी बहुतसी संस्थाओंमें कार्यरत रहकर त्यागपत्र दे दिए। इन सभी संस्थाओंका पदाधिकारी और पता एक ही रहा, जबकि सन्दिग्ध कार्यरत साथी भिन्न-भिन्न रहे, जिनका सम्पर्क खालस्तानियोंसे और दिलजीत सिंह सांझसे पाया गया। दिलजीत सिंह सांझके साथ-साथ मिस पूजा, गिप्पी ग्रेवाल तथा दो अन्य चलचित्र निर्माताओंपर भी 'आईटी'ने छापामारी की।

देश विदेशके विभिन्न असामाजिक और पृथकतावादी सङ्गठन, अवैध धनद्वारा देशमें प्रदर्शनकारियोंको उकसाते और प्रोत्साहित करनेमें लिप्त हैं। समय रहते ऐसे देशद्रोहियोंको कडेसे कडा दण्ड दिया जाना चाहिए, जिससे अन्य विद्रोहियोंमें भी भय उत्पन्न हो सके। (०४.०१.२०२०)

****

वैदिक उपासना पीठद्वारा कुछ आवश्यक सूचनाएं

१. वैदिक उपासना पीठद्वारा विजयादशमीसे अर्थात दि. २५/१०/२०२० से ऑनलाइन बालसंस्कारवर्गका शुभारंभ हो चुका है। यह वर्ग प्रत्येक रविवार, त्योहारोंको एवं पाठशालाके अवकाशके दिन प्रातः १० से १०:४५ तक होगा। इस वर्गमें

७ वर्षसे १५ वर्षकी आयुतकके बच्चे सहभागी हो सकते हैं। यदि आप अपने बच्चोंको इसमें सम्मिलित करने हेतु इच्छुक हैं तो पञ्जीकरण हेतु कृपया 9717492523, 9999670915 के व्हाट्सऐप्पपर सन्देशद्वारा सम्पर्क करें।

२. वैदिक उपासना पीठके लेखनको नियमित पढनेवाले पाठकोंके लिए निःशुल्क ऑनलाइन सत्सङ्ग आरम्भ किया जा चुका है।

आनेवाले सत्संगका विषय व समय निम्नलिखित है :

सङ्ख्या सीमित होनेके कारणकृपया अपना पञ्जीकरण यथाशीघ्र कराएं। इस हेतु ९९९९६७०९१५ (9999670915) या ९७१७४९२५२३ (9717492523) के व्हाट्सएप्पपर अपना सन्देश भेजें। कृपया पञ्जीकरण हेतु फोन न करें।

अगले कुछ सत्सङ्गोंकी पूर्व सूचना :

अ. जपमालासे सम्बन्धित तथ्य ७ जनवरी, रात्रि ९.३० बजे

आ. शिष्यके गुण, ११ जनवरी, रात्रि ९.३० बजे

इ. नमस्कारसे सम्बन्धित शास्त्र, १५ जनवरी, रात्रि ९.३० बजे

ई. नामजप कब, कहां और कितना करें ? १९ जनवरी, रात्रि ९.३० बजे

३. वैदिक उपासना पीठद्वारा प्रत्येक दिवस भारतीय समय अनुसार रात्रि नौसे साढे नौ बजे 'ऑनलाइन सामूहिक नामजप'का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें साधना हेतु मार्गदर्शन भी दिया जाएगा, साथ ही आपको प्रत्येक सप्ताह 'ऑनलाइन सत्सङ्ग'के माध्यमसे वैयक्तिक स्तरपर भी साधनाके उत्तरोतर चरणमें जाने हेतु मार्गदर्शन दिया जाएगा,

यदि आप इसका लाभ उठाना चाहते हैं तो आप हमें ९९९९६७०९१५ (9999670915) या ९७१७४९२५२३ (9717492523) पर "मुझे सामूहिक नामजप गुटमें जोडें", यह व्हाट्सऐप्प सन्देश भेजें !

४. जो भी व्यक्ति वैदिक उपासना पीठके तत्त्वावधानमें अग्निहोत्र सीखना चाहते हैं वे ९९९९६७०९१५ के व्हाट्सऐप्पपर अपना सन्देश इसप्रकार भेजें ,'हमें कृपया अग्निहोत्र गुटमें सम्मिलित करें।'

५. कोरोना जैसे संक्रामक रोग एवं भविष्यकी आपातकालकी तीव्रताको ध्यानमें रखते हुए वैदिक उपासना पीठद्वारा संक्षिप्त दैनिक हवन कैसे कर सकते हैं ?, इस विषयमें १५ अगस्तसे एक नूतन उपक्रम आरम्भ किया जा रहा है। इसमें अग्निहोत्र समान इसे सूर्योदय या सूर्यास्तके समय ही करनेकी मर्यादा नहीं होगी, इसे आप एक समय या सप्ताहमें जितनी बार चाहे, कर सकते हैं । यदि आप सीखना चाहते हैं तो ९९९९६७०९१५ पर हमें इस प्रकार सन्देश भेजें, “हम दैनिक हवनकी सरल विधि सीखना चाहते हैं, कृपया हमें यथोचित गुटमें जोडें।”

प्रकाशक : Vedic Upasana Peeth
जालस्थल : www.vedicupasanapeeth.org
ईमेल : upasanawsp@gmail.com
सम्पर्क : + 91 9717492523 / 9999670915